

‘मलिट्स एग्री एक्सपो तथा राइजिंग हरियाणा’ वषिय पर तीन दविसीय कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

7 अप्रैल, 2023 को हरियाणा के कृषि एवं कसिन कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल नेयहाँ एक मीडिया समूह द्वारा ‘मलिट्स एग्री एक्सपो तथा राइजिंग हरियाणा’ वषिय पर आयोजित तीन दविसीय कार्यक्रम का द्वाप प्रज्जवलति कर उदघाटन कया ।

प्रमुख बदि

- एक्सपो में कसिनों के लयि कृषि की अत्याधुनकि तकनीकों पर 3 दनि तक मंथन कया जाएगा ।
- इस अवसर पर कृषि एवं कसिन कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने प्रगतशील कसिनों को कसिन रतन पुरस्कार देकर सम्मानति भी कया ।
- कृषि एवं कसिन कल्याण मंत्री ने कहा कि भारत सरकार के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक आहार वर्ष के रूप में घोषति कया है । जलवायु परिवर्तन, भोजन, पोषण और आजीविका तथा गरीबी के खिलाफ लड़ाई में बाजरा और ज्वार जैसे पोषक अनाज से अपार संभावनाएँ हैं । यह गेहूँ और चावल की तुलना में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद करता है ।
- उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 2018-19 से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन के तहत राज्य में बाजरा को पोषक आहार के रूप में बढ़ावा दे रही है । हरियाणा में बाजरा लगभग 10 लाख एकड़ से 12 लाख एकड़ के क्षेत्र में उगाया जाता है, जिसकी अनुमानति उपज 800 किलोग्राम प्रति एकड़ तथा उत्पादन 12 लाख मीट्रिक टन होता है । इसके अलावा, ज्वार को लगभग 0.60 लाख एकड़ से 1.10 लाख एकड़ के क्षेत्र में उगाया जाता है ।
- इनके अनेक स्वास्थ्य लाभों को देखते हुए अब लोगों ने इसे अपने आहार में शामिल करना शुरू कर दिया है । राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन के तहत ज्वार को बढ़ावा देने के लयि कसिनों को अनुदान दिया जा रहा है ।
- कृषि एवं कसिन कल्याण मंत्री ने कहा कि इस संदर्भ में होने जा रही ‘मलिट्स कॉन्फरेंस’ एक महत्त्वपूर्ण पहल है । इसमें मलिट्स की खेती, उससे जुड़ी अर्थव्यवस्था, हेल्थ पर उसके प्रभाव, कसिनों की आय, जैसे अनेक वषियों पर चर्चा होगी ।
- वदिति है कि हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आयोजित जी-20 कार्यक्रम के दौरान आए हुए वदिशी मेहमानों को भी मलिट्स से तैयार कया भोजन खलाया गया जिसकी प्रतिनिधिमंडल ने भी सराहना की थी ।
- राज्य सरकार द्वारा वभिनि ज़िलों में भी अंतरराष्ट्रीय पोषक आहार वर्ष -2023 के अंतगत ज़िला व ग्राम स्तरीय मासकि कार्यक्रम आयोजति कयि जा रहे हैं, जिसमें कसिनों को पोषक आहार के प्रति जागरूक कया जा रहा है । इसके अलावा, उन्हें पोषक आहार को भोजन में सम्मलित करने से होने वाले कई तरह के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी भी दी जा रही है ।
- पोषक आहार केवल पौष्टिक ही नहीं होते बल्कि, उन्हें शुष्क भूमि व कम वर्षा में भी आसानी से उगाया जा सकता है । राज्य सरकार द्वारा बाजरा और ज्वार को बढ़ावा देने के लयि अनेक पहलें की जा रही हैं । अंतरराष्ट्रीय पोषक आहार वर्ष-2023 को जन आंदोलन बनाने के लयि कृषि विभाग द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार कया जा रहा है ।